सुरक्षा
आज़ादी
विश्वास
मैं चाहती हूँ

www.breakthrough.tv

दिल्ली बोली यौनिक हिंसा अब नहीं

ब्रेकथ्रू का यौन उत्पीड़न के खिलाफ #Askingforit अभियान नुक्कड़ नाटक में दिखा यौन उत्पीड़न का दर्द

दिल्ली 1 जुलाई 2015, सार्वजनिक परिवहन किसी भी शहर की लाइफ लाइन होती है। ज्यादातर महिलाएं व लड़कियां भी पुरूषों की तरह इसका प्रयोग ऑफिस, स्कूल, कॉलेज बाजार आदि जाने में करती है।लेकिन क्या आप को पता है कि इन वाहनों में सफर करने वाली **90 फीसदी महिलाओं ने सार्वजनिक जगहों पर कभी न कभी यौन उत्पीड़न का सामना किया है।83 फीसदी महिलाएं आज भी बस स्टॉप को अपने लिए असुरक्षित मानती है।**

मानवाधिकार और महिला हिसा के खिलाफ काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू द्वारा देश के राजधानी दिल्ली सहित देश के 6 राज्यों में किये गए सर्वे सें ये चौंकाने वाले आकड़े सामने आए हैं।इसी मुद्दे पर ब्रेकथ्रू ने इन दिनों दिल्ली में ऑस्किंग फॉर इट अभियान शुरू किया है।जिसके तहत आज दिल्ली यूनीवर्सिटी के छात्र-छात्राओं ने सरोजिनी नगर स्थित साउथ स्कावयर मॉल के सामने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सेक्सुअल हैरेसमेंट के मुद्दे पर जागरुक किया।

इस मौके पर ब्रेकथ्रू की कंट्री डायरेक्टर व वाइस प्रेसीडेंट सोनाली खान ने कहा कि **यह अभियान खास तौर से सार्वजनिक परिवहन और बस, ऑटो स्टॉप्स को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने के लिए शुरू किया गया है। जिसमें हमारा फोकस खास तौर से उन लोगों पर है जो यौनिक हिसा होते समय वहां आस-पास मौजूद होते हैं और वो घटना होते हुए देखते रहते हैं,लेकिन कोई कदम नही उठाते हैं। हम इस अभियान के माध्यम से खास तौर से इन लोगों को ही जागरुक करना चाहते हैं।क्योंकि किसी लड़की या महिला के साथ अगर यौनिक हिसा होती है तो सबसे पहले यह लोग ही उसकी मदद कर सकते है,पुलिस व अन्य सहायता तो बाद में पहुंचती है।**

कार्यक्रम में ब्रेकथ्रू के सोशल चेंज एक्टर पंकज ने कहा कि **अकसर हमें यह देखने को मिलता है कि लोग सेक्सुअल हैरेसमेंट को गंभीर मुद्दे की जगह सामान्य छेड़छाड़ समझते हैं। उन्हें इसका अहसास ही नही होता कि उनकी एक हरकत किसी लड़की या महिला की जिदंगी पूरी तरह से बदल देती है। जरूरी है कि हम पहले यह जाने के यौनिक हिसा छेड़छाड़ नही बल्कि एक अपराध है।इसे रोकने के लिए सिर्फ कानून ही काफी नही है, आम लोगों के भी सहयोग की जरूरत है।**

किसी लड़की या महिला की जिदंगी पूरी तरह से बदल देती है। जरूरी है कि हम पहले यह जाने के यौनिक हिसा छेड़छाड़ नही बल्कि एक अपराध है।इसे रोकने के लिए सिर्फ कानून ही काफी नही है, आम लोगों के भी सहयोग की जरूरत है।

इस मौके पर ब्रेकथ्रू के राइट एडवोकेट्स ग्रुप ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को यह समझाने का प्रयास किया कि किस तरह सार्वजनिक स्थान पर एक महिला के साथ यौन उत्पीड़न की घटना होती है और उसकी जिदंगी पर इसका क्या असर पड़ता है,जिस यौन उत्पीड़न को लोग छेड़छाड़ समझते हैं वो वास्तव में कानूनी रूप से भी एक गंभीर अपराध है। इसे रोकने के लिए कानून के साथ ही आम लोगों की भागेदारी जरूरी है।

कार्यक्रम में यूथ फॉर सोशल चेंज के वालेन्टियर सहित लगभग 50 युवाओं ने भागेदारी करते हुए अभियान को अपना समर्थन दिया।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

विनीत त्रिपाठी
मैनेजर-पीआर एंड कम्यूनिकेशन
09792267809

एंजिला अल्बर्ट
मैनेजर-कैंपेन
09999916548

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संगठन है जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और भेदभाव को सामाप्त करने के लिए काम करता है।

ब्रेकथ्रू अपने जिले एवं राज्यस्तरीय केंद्रों के माध्यम से काम कर रहा है।कला,मीडिया,
लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।
हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं,जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

www.breakthrough.tv

www.breakthrough.tv/askingforit
www.facebook.com/BreakthroughIN
@INBreakthrough

E-1 A, First Floor, Kailash Colony, New Delhi 110048, India

91-11-41666101 91-11-41666107
contact@breakthrough.tv